Annual Report 2025-26

PASS
(Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan)

SAVE A TREE : PLANT A TREE SAVE WATER : SAVE LIFE

E-mail :pass.pth@gmail.com Web : www.passuttarakhand.org

ntroduction

Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan (PASS) was established in November 1997 with a firm resolution to work for the development of the rural community through organizing community centered activities. The objective of the organization is to work for the conservation and promotion of the environment to bring systematic social change in the community. The current operational areas of the organization are States Pithoragarh, Champavat, Almora and Bageshwar. Other than the above, the organization is putting efforts to gradually develop its operational areas. PASS is working in coordination with the government on various issues relating to the development and betterment of the community through conducting seminars, workshops, conferences, and meetings to help bring the social concerns into light.

A committed and experienced board of directors is our administrative strength. Our more than two decades of experience in portrays us an organisation of strengths. Moreover, being an organisation established in the year 1997 at Pithoragarh (Uttarakhand, India), registered under society registration act 1860 and also registered under the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA), besides under the Income Tax Act 12AA & 80G and CSR gives us a firm legal foundation.

OurVision: The vision of organisation is to enhance and upgrade them to the scenario regarding Environmental conservation, good health facilities, excellent educational institutions, healthy living and sustainable livelihoods.

Our Mission: To empower and improve the living conditions of poor and disadvantaged people in the PASS working area, through sustainable livelihood, health, education, sanitation & clean drinking water, animal welfare and technology programmes.

परिचय

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, ग्रामीण समुदाय के विकास और जन केंद्रित नियोजन की विविध गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्थागत परिवर्तन/समाज परिवर्तन के मूल उद्देश्य को समाहित करते हुए एक दृढ़ निश्चय के साथ ''पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान'' की स्थापना नवम्बर 1997 में की गयी। वर्तमान में संस्था के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़, जनपद बागेश्वर, जनपद अल्मोड़ा तथा जनपद चम्पावत सम्मिलित हैं। उक्त के अतिरिक्त संस्था अपने कार्यक्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु प्रयासरत् है। वर्तमान तक विकास और समाज परिवर्तन से जुड़े विविध मुद्दों पर सरकार के साथ सहभागिता की, तथा अनेकानेक सेमिनारों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, सभाओं आदि के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को आगे लाने का प्रयास किया गया है।

संस्था के पास दो दसकों से अधिक का एक अनुभवी और प्रतिबद्ध निदेशक मंडल है जो प्रशासनिक कार्यों के संपादन एवं संचालन हेतु संस्था को एक मजबूत संगठन के रूप में चित्रित करता है। संस्था सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम की धारा 1860, एफ.सी.आर.ए., सी.एस.आर., आयकर अधिनियम 12एए एवं 80जी के तहत पंजीकृत संगठन है।

विजन : संस्था का विजन पर्यावरण संरक्षण, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और स्थायी आजिविका के संबन्ध में परिदृश्य को बड़ाना और उन्नत करना है।

मिशन: स्थायी आजिविका, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल, पशुकल्याण और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था के कार्यक्षेत्र में गरीब और वंचित लोगों की जीवन स्थितियों को सशक्त बनाना और सुधारना।

Objectives of the organization

1. To conduct activities to improve the productivity of barren land, fallow land, etc. as well as to conserve the environment.
2. To develop the community and spread awareness among the community regarding education, environment, health, children's education as well as unconventional education.
3. To organize the community for people centered planning and development. To develop a model for development by providing training to the community.
4. To organize awareness program on women empowerment, education, and training.
5. To conduct programs and to motivate and educate the community on watershed management, resource management, drinking water supply, irrigation, alternative energy, animal welfare, agricultural development, and agribusiness
6. To publish, edit, compile, and distribute literature for the promotion of programs related to education, cultural development as well as the development of the community.
7. To conduct income generating programs and to train rural and women groups on the same. To manage marketing for them.
8. To develop economic measures for the infrastructural development of the organization, to conduct programs on self reliance and to conduct awareness generating programs.
9. To conduct programs for the development of the environment, tourism and culture.
10. To work on issues and concerns related to the community, and individual health

संस्था के उद्देश्य

1. ऊसर भूमि, परती भूमि आदि का सुधार कर उत्पादकता बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों का संचालन करना।
2. समुदाय संगठन, समुदाय विकास एवं शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, बाल शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा एवं जन जागरण।
3. जन केन्द्रित नियोजन एवं विकास के लिये समुदाय को संगठित करना, प्रशिक्षित करना एवं विकास का प्रदर्शन माडल विकसित करना।
4. महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रशिक्षण, संगठन एवं जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना।
5. जलागम प्रबन्धन, संसाधन प्रबन्धन, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा, पशु कल्याण, कृषि विकास, बागवानी विकास एवं कृषि व्यापार के कार्यक्रमों का संचालन करना एवं समुदाय को इसकी शिक्षा व प्रेरणा देना।
6. शिक्षा, संस्कृति विकास एवं समुदाय विकास के कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार हेतु संबंधित साहित्य का प्रकाशन, सम्पादन, संकलन कर उसे वितरित करना।
7. ग्रामीण संगठनों, महिला संगठनों आदि के लिये आयवर्धन कार्यक्रमों का संचालन करना इसके लिये प्रशिक्षण देना तथा विपणन आदि का प्रबन्धन करना।
8. संस्था के ढांचागत विकास हेतु आर्थिक उपाय करना, आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम संचालन करना तथा जागरूकता के कार्यक्रम संचालित करना।
9. पर्यावरण, पर्यटन व संस्कृति के विकास हेतु कार्यक्रमों का संचालन करना।
10. सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं मुद्दों पर कार्य करना।

Key Strengths of the Organisation

Community Served: PASS has been working with all section of community and believe in equity principle of sustainable development of needy people. We have provided services to the community specially women, children, backward & migrants in the Kumaoun region of Uttarakhand. We have been able to reach five hundred villages with three thousand households covering twenty thousand populations through various developmental programs especially in Health, water & sanitation, livelihood, animal welfare etc.

Objective: Objectives of our all interventions have been integrated development of the society as central theme with project's specific objectives e.g. awareness creation and providing education in HIV/AIDS program, improving community health through providing potable water and toilets to each household. Information, Education and Communication (IEC) and capacity building of all stakeholders have been one of key objectives based on project theme.

Strategies: Our strategy of implementation of projects has been community participatory making Jan Andolan. This includes participation of Panchayati Raj Institutions and village level committees, Self Help Groups etc. Project activities have been generally categorized in two phases – planning of interventions with community / beneficiary and then implementation of interventions. Sustainability of the interventions has been always focused.

Main Outcomes: Major outcomes of the projects have been empowered community and village level institutions. Targeted activities have been effectively completed within stipulated time and beneficiaries are getting sustainable benefits of the interventions be it health or water or sanitation. User groups are operating & maintaining their assets. Their economic condition and quality of life has improved enormously.

Evaluation methods employed: Process has been followed in each intervention. Community based monitoring & evaluation methods have been used. Mainly participatory rural appraisal (PRA) tools have been deployed. This includes community mapping, baseline & end line surveys, FGDs, qualitative & quantitative assessments etc.

Evaluation Results: Beneficiary communities are getting services and interventions are sustainable. Communities have been able to participate in the project process and lead the interventions due to their improved capacity. We have tried to keep our role as facilitator.

समुदाय की सेवा: PASS समुदाय के सभी वर्गों के साथ काम कर रहा है और जरूरतमंद लोगों के सतत विकास के समानता सिद्धांत में विश्वास करता है। हमने उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में समुदाय विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, पिछड़े और प्रवासियों को सेवाएं प्रदान की हैं। हम विभिन्न विकास कार्यक्रमों विशेष रूप से स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, आजीविका, पशु कल्याण आदि के माध्यम से बीस हजार आबादी को कवर करते हुए तीन हजार घरों वाले पाँच सौ गाँवों तक पहुँचने में सक्षम हैं।

उद्देश्य: हमारे सभी हस्तक्षेपों का उद्देश्य परियोजना के विशिष्ट उद्देश्यों के साथ केंद्रीय विषय के रूप में समाज के एकीकृत विकास रहा है जैसे एचआईवी/एड्स कार्यक्रम में जागरूकता पैदा करना और शिक्षा प्रदान करना, प्रत्येक घर में पीने योग्य पानी और शौचालय प्रदान करके सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार करना। सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और सभी हितधारकों की क्षमता निर्माण परियोजना विषय पर आधारित प्रमुख उद्देश्यों में से एक रहा है।

रणनीतियाँ: परियोजनाओं के कार्यान्वयन की हमारी रणनीति सामुदायिक भागीदारी को जन आंदोलन बनाना रही है। इसमें पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम स्तरीय समितियों, स्वयं सहायता समूहों आदि की भागीदारी शामिल है। परियोजना गतिविधियों को आम तौर पर दो चरणों में वर्गीकृत किया गया है – समुदाय / लाभार्थी के साथ हस्तक्षेप की योजना बनाना और फिर हस्तक्षेपों का कार्यान्वयन। हस्तक्षेपों की स्थिरता पर हमेशा ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य परिणाम: परियोजनाओं के प्रमुख परिणाम समुदाय और ग्राम स्तरीय संस्थाओं को सशक्त बनाना रहे हैं। लक्षित गतिविधियों को निर्धारित समय के भीतर प्रभावी ढंग से पूरा किया गया है और लाभार्थियों को हस्तक्षेपों का स्थायी लाभ मिल रहा है, चाहे वह स्वास्थ्य हो या पानी या स्वच्छता। उपयोगकर्ता समूह अपनी परिसंपत्तियों का संचालन और रखरखाव कर रहे हैं। उनकी आर्थिक स्थिति और जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है।

उपयोग की गई मूल्यांकन पद्धतियाँ: प्रत्येक हस्तक्षेप में प्रक्रिया का पालन किया गया है। समुदाय आधारित निगरानी और मूल्यांकन विधियों का उपयोग किया गया है। मुख्य रूप से सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (PRA) उपकरण तैनात किए गए हैं। समुदाय अपनी बेहतर क्षमता के कारण परियोजना प्रक्रिया में भाग लेने और हस्तक्षेप का नेतृत्व करने में सक्षम हुए हैं। हमने सुविधाकर्ता के रूप में अपनी भूमिका बनाए रखने की कोशिश की है।

मूल्यांकन परिणाम: लाभार्थी समुदायों को सेवाएँ मिल रही हैं और हस्तक्षेप टिकाऊ हैं। समुदाय अपनी बेहतर क्षमता के कारण परियोजना प्रक्रिया में भाग लेने और हस्तक्षेपों का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। हमने सुविधाकर्ता के रूप में अपनी भूमिका बनाए रखने की कोशिश की है।

Financial Statement Year 2025-2026

1. Balance Sheet –

Sl.No.	Liabilities	2025-26	Assets	2025-26
1	Capital Fund	1228701.34	Fixed Assets	119126.00
2	Over Expenditure	467650.10	Current Assets : Cash in Hand	509.00
3			Cash at Bank	1576716.44
	Total	**1696351.44**		**1696351.44**

2. Consolidated Receipt & Payment –

Sl.No.	Receipt	Amount	Payment	Amount
	To Opening Balance	1458815.34	Society Main	106679.95
1	To Grant-in-Aid	5818925.00	USACS (TI MG, CC & SSKProgramme)	3492325.00
2	To Bank Interest	2939.00	Springshed Management Project	2198143.95
3	To Membership fee	2400.00	By Bank Charges FCRA Main	2450.00
4	To Donation Receipts (including FCRA)	83800.00	By Loan Refund	734865.00
5	To Interst, FDR & Income Tax Refund	744810.00	By Closing Balance (Cash in Hand)	509.00
6			By Closing Balance (Cash at Bank)	1576716.44
	Total	**8111689.34**		**8111689.34**

Banking & Registration Detail		
(i)A/C No. 32830100000101, 32830100000383 & 3283010005351 Bank of Baroda Pithoragarh (NGO main & SLWM Programe account)		(ii) A/C No. 40088902033 State Bank of India, New Delhi Main Branch, 11 Sansad Marg. (FCRA Main Account) (iii)A/C No. 689510110000405 Bank of India Pithoragarh (FCRA Utilisation Account)
(iv) A/C No. 32830100008377 & 32830100008852 Bank of Baroda Pithoragarh (for TI,MG & CC Programe)		(v) A/C No. 30391848428 State Bank of India, Pithoragarh Main Branch (for JJM Programme : UJN Bageshwar)
(vi) A/C No. 32830200000292 Bank of Baroda Pithoragarh (for Community Responsive Springshed Management Project : APPI)		(vii) A/C No. 4444381785 Uttarakhand Gramin Bank Bageshwar Pithoragarh (for JJM Programe : UJS Bageshwar)
Organisation Registration Detail	:	Registration No. 557/1997-98 (Under Society Reg. Act 1860) Dated – 25/09/1997 On Line Registration No. UK06208062020003888 Renewed No. : RENEW0322004514, Dated : 23-04-2022 to 11-03-2027
FCRA Detail	:	Registration No. 347990024, Dated – 01/04/2004 Renewed Date : 15/11/2021 (Valid for a period of five years, from 01-01-2022)
Income Permanent Account No. (PAN)	:	AAA7P7999K
Tax Deduction Account No. (TAN)	:	MRTP03413E
12AA Registration of Income Tax	:	CIT/Hld/12AA/22/2003-04/PAVS/03-04/1780, Dated:14/01/2004 & Renewed Registration No. AAATP7999K25LK01 (07/02/2026(Approval for a period of five years, Assessment Year : 2027-28 to 2036-37)
80G Registration of Income Tax	:	CIT (E) /LKO/80G/2016-17/109/1859/7522, Dated: 08/11/2016 Renewed Registration No. AAATP7999K25LK02 (07/02/2026) (Approval for a period of ten years, Assessment Year : 2027-28 to 2031-32)
NGO DARPAN ID	:	UA/2009/0007151
CSR Companies Act Registration No.	:	CSR00003658, Dated 27/04/2021
NGO Website	:	www.passuttarakhand.org

Name & Address of Auditor – M.C. Pandey & Company (MN 89918)
Narayan Niwas, Cinema Line, Pithoragarh (2562501), Uttarakhand

Major programs and achievements in year 2025-2026

The following programs/projects were conducted by the organization in year 2025-26

1. Targeted Intervention Program : Migrant
2. Targeted Intervention Program : Core Composit
3. Community Responsive Springshed Management Project
4. Nari Shakti Vandan Programme
5. Plantation& Forest Fire Awareness Program

The organization is putting efforts for spreading awareness as well as improving the opportunities of employment for the community through the above-mentioned programs. Brief description of the programs conducted by the organization during the year is given below :-

वर्ष 2025-2026 के मुख्य कार्य एवं उपलब्धियां

वर्ष 2025–26 में संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रम/परियोजनाएं संचालित किये गये –

1. लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम : प्रवासी मजदूर वर्ग।
2. लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम : कोर ग्रुप
3. सामुदायिक उत्तरदायी स्प्रिंगशेड प्रबन्धन परियोजना ।
4. नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम ।
5. वृक्षारोपण एवं वन अग्नि जागरूकता कार्यक्रम।

उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था द्वारा लोगों में जागरूकता के प्रसार के साथ–साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के प्रयास किये। वर्ष के दौरान संस्था द्वारा किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :–

Targeted Intervention Program Migrant

The Targeted Intervention Program funded by Uttrakhand State AIDS Control Society (Directorate General, Medicine, Health & Family Welfare, Uttarakhand) and National AIDS Control Society (Health and Family Welfare Ministry, GoI) was conducted for the Labor Migrants on generating awareness on HIV/AIDS in Pithoragarh. The objective of the program is to disseminate information and prevention of HIV/AIDS, TB and Sexually Transmitted Diseases. The program also aims to stop the spread of new infections of HIV in high risk group and general population, to ensure quality health service provision for them and to improve community participation through the program's implementation and management.

Main components of the program

- Behavior change communication
- Management of Sexually Transmitted Diseases
- Motivation for using condoms
- Friendly environment/public advocacy
- Community development/participation
- Linkages with services/welfare and support

The program is being implemented with the objectives and components in mind. It is being successfully implemented for 10000 migrant labors in Pithoragah in the year 2025-26.

लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (प्रवासी मजदूर वर्ग)

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार) एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति (महानिदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड) द्वारा प्रायोजित लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा जनपद पिथौरागढ़ में प्रवासी मजदूर वर्ग के मध्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यलक्ष्य समूह को एच.आई.वी./एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित संक्रमण की जानकारी प्रदान करना, रोकथाम व बचाव के बारे में जागरूक करना, उच्च जोखिम समूहों और सामान्य जनसंख्या में एच.आई.वी. के नये संक्रमण को रोकना, उच्च जोखिम समूहों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनश्चित करना एवं कार्यक्रम संचालन और प्रबन्धन में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के मुख्य घटक :

- व्यवहार परिवर्तन संचरण।
- यौन जनित रोगों का प्रबंधन ।
- कण्डोम प्रोत्साहन ।
- अनुकूल वातावरण/जनवकालत।
- समुदायिक गतिशीलता/समुदाय की भागीदारी ।
- सेवाओं से जुड़ाव/देखभाल एवं सहयोग ।

उक्त उद्देश्य एवं घटकों के आधार पर संस्था द्वारा वर्ष 2025–26 में 10000 प्रवासी मजदूर वर्ग के मध्य पिथौरागढ़ में कार्यक्रम का संचालन किया गया।

Activities done under Targeted Intervention Program (MG) in year 2025-2026

S.no	(Name of activitie)	(Number)
1	आयोजित स्वास्थ्य शिविरों की संख्या (Number of STI Health Camps organized)	240
2	स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित प्रवाशियों की संख्या (Number of migrants present at the health camps)	6392
3	जन वकालत एवं समन्वय बैठक (Number of Advocacy & Coordination Meetings held)	12
4	नुक्कड़ नाटक (Number of street Play/Nukked Natak)	24
5	जनसमूह समारोह (Number of Target Grup Congregation Events held)	08
6	आइ.सी.टी.सी. एवं सी.वी.टी. में एच.आइ.वी. जाँच (Number of HIV tests done at ICTC and CBT)	112 & 4035
7	स्टेक होर्ल्डस बैठक (Number of Stake Holders Meetings conducted)	238
8	जिला एवं स्वास्थ्य प्रशासन के साथ आयोजित बैठकों की संख्या (Number of meetings held with District and Health administration)	07
9	नये पंजीकरण (New Registration)	10130

Coundect Various Activities under the TI : MG Program

Targeted Intervention Program : Core Composit (FSW & MSM)

The Targeted Intervention Program funded by Uttrakhand State AIDS Control Society (Directorate General, Medicine, Health & Family Welfare, Uttarakhand) and National AIDS Control Society (Health and Family Welfare Ministry, GoI) was conducted for the Core Group on generating awareness on HIV/AIDS in Pithoragarh. The objective of the program is to disseminate information and prevention of HIV/AIDS, TB and Sexually Transmitted Diseases. The program also aims to stop the spread of new infections of HIV in high risk group and general population, to ensure quality health service provision for them and to improve community participation through the program's implementation and management.

Main components of the program

- Behavior change communication
- Management of Sexually Transmitted Diseases
- Motivation for using condoms
- Friendly environment/public advocacy
- Community development/participation
- Linkages with services/welfare and support

The program is being implemented with the objectives and components in mind. It is being successfully implemented for core group in Pithoragah in the year 2025-26.

लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (कोर ग्रुप)

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार) एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति (महानिदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड) द्वारा प्रायोजित लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा जनपद पिथौरागढ़ में कोर ग्रुप के मध्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यलक्ष्य समूह को एच.आई.वी./एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित संक्रमण की जानकारी प्रदान करना, रोकथाम व बचाव के बारे में जागरूक करना, उच्च जोखिम समूहों और सामान्य जनसंख्या में एच.आई. वी. के नये संक्रमण को रोकना, उच्च जोखिम समूहों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनश्चित करना एवं कार्यक्रम संचालन और प्रबन्धन में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के मुख्य घटक :

- व्यवहार परिवर्तन संचरण।
- यौन जनित रोगों का प्रबंधन ।
- कण्डोम प्रोत्साहन ।
- अनुकूल वातावरण/जनवकालत।
- समुदायिक गतिशीलता/समुदाय की भागीदारी
- सेवाओं से जुड़ाव/देखभाल एवं सहयोग ।

उक्त उद्देश्य एवं घटकों के आधार पर संस्था द्वारा वर्ष 2025–26 में कोर ग्रुप वर्ग के मध्य पिथौरागढ़ में कार्यक्रम का संचालन किया गया।

Activities done under Targeted Intervention Program (Core Group) in year 2025-2026

S.no	(Name of activitie)	(Number)
1	आयोजित स्वास्थ्य शिविरों की संख्या (Number of STI Health Camps organized)	04
2	स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित लक्ष्य समूह की संख्या (Number of Target Group present at the health camps)	100
3	जन वकालत एवं समन्वय बैठक (Number of Advocacy & Coordination Meetings held)	12
4	समुदायिक कार्यक्रम (Number of Community Event)	05
5	समुदायिक कार्यक्रम में उपस्थित लक्ष्य समूह की संख्या (Number of Target Grup present at the Community Event)	132
6	आइ.सी.टी.सी. एवं सी.वी.टी. में एच.आइ.वी. जाँच (Number of HIV tests done at ICTC and CVT)	582
7	ड्राप इन सैन्टर में आयोजित बैठक (Number of DIC Lavel Meeting)	36
8	मांग सृजन गतिविधियों की संख्या (Number of Demand Generation Activity)	60
9	आयोजित सी.बी.एस. शिविर (Number of CBS Camps organized)	24
10	लक्ष्य समूह का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण (Number of Regular Medicine Checkup)	892

Coundect Various Activities under the Program

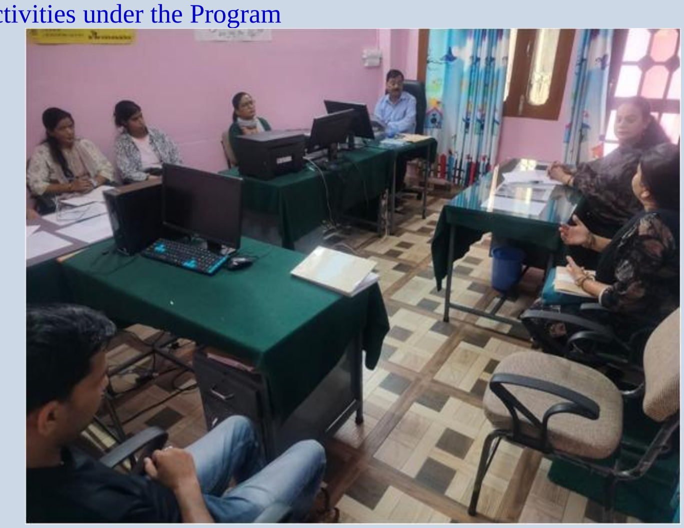

Community Responsive Springshed Management Project :

The project funded by Azim Premji Foundation/ Philanthropic Initiatives (APF/APPI), major goal is to delineate Springsheds, rejuvenate springs using latest scientific technologies (Geo-Hydrology & RS-GIS) with traditional wisdom, build capacity of community and develop protocols for springshed management so that discharge in springs increase and sources become long term sustainable.

Community Responsive approach particularly Gender & Social Inclusion is key to success for Springshed Management.

Program Purpose :

- Sensitization & awareness raising of selected six villages (District Bageshwar) community and Capacity building of existing village level institutions (Gram Panchayat, Van Panchayat, SHG, Village Water & Sanitation Committee).
- Data/information of mountain springs and springs characteristics, geology, mapping and preparation of Village Springshed Management Plan (VSMP);
- Operational field demonstration models in selected villages and Revival/rejuvenation of spring(s).
- Developing protocols and policy documents on conservation and management options for monitoring, protection, enhancement and restoration strategies for springs.

Activities Undertaken During FY 2025–26

Under the project, the total cost of activities undertaken for the conservation and rejuvenation of water sources was shared in the ratio of 50:30:20, comprising 50% financial support from the donor agency, 30% through convergence with government programmes, and 20% through community contribution.

The convergence component was implemented through works approved under the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA). The District Administration, Bageshwar, accorded administrative and financial approval for these works in June 2025. Based on these approvals, the planned activities for FY 2025–26 were successfully completed through convergence and active community participation. During the reporting period, an amount of INR 650137/- was utilized from the Azim Premji Foundation grant, INR 297630/- was mobilized through the District Administration, Bageshwar under MGNREGA, while the remaining expenditure INR 214459/- was met through community contribution.

सामुदायिक उत्तरदायी स्प्रिंगशेड प्रबन्धन परियोजना

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन/फिलैंथ्रोपिक इनिशिएटिव्स द्वारा सहायतित "सामुदायिक उत्तरदायी स्प्रिंगशेड प्रबन्धन परियोजना" का मुख्य लक्ष्य है स्प्रिंगशेड को चिन्हित करते हुए स्थानीय पांरपरिक ज्ञान के साथ नवीनतम वैज्ञानिक तकनिकों (भू–जल विज्ञान और आर.एस.–जी.आइ.एस.) का उपयोग करके स्प्रिंग को पुनर्जीवित करना, समुदाय की क्षमता का निर्माण करना और स्प्रिंगशेड प्रबन्धन के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना ताकि स्प्रिंग में निर्वहन बढ़ जाये और स्रोत दीर्घकालित टिकाऊ बन सके।

सामुदायिक उत्तरदायी दृष्टिकोण/सामाजिक समावेशन विशेष रूप से स्प्रिंगशेड प्रबन्धन के लिए सफलता की कुंजी है।

परियोजना का उद्देश्य :

- परियोजना के तहत जनपद एवं विकास खण्ड बागेश्वर के काण्डा क्षेत्र में चयनित 06 ग्रामों के जन–समुदाय को स्प्रिंगशेड प्रबन्धन के लिए संवेदनशील और जागरूक बनाना तथा परियोजना के तहत गठित धारा–नौला संरक्षण समिति एवं अन्य मौजूदा ग्राम स्तरीय संस्थाओं (ग्राम पंचायत, वन पंचायत, स्वयं सहायता समूह, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति) का क्षमता निर्माण करना।
- पर्वतीय स्प्रिंग की विशेषताओं, भूविज्ञान, मानचित्रण और ग्राम स्प्रिंग प्रबंधन योजना की तैयारी के बारे में डेटा/सूचना का एकत्रीकरण करना।
- चयनित ग्रामों में स्प्रिंग प्रदर्शन मॉडल स्थापित करना।
- स्प्रिंग की निगरानी, संवर्द्धन एवं संरक्षण के लिए प्रबंधन विकल्पों पर प्रोटोकॉल और नीति दस्तावेज विकसित करना।

परियोजना के तहत वर्ष 2025–26 की कार्य उपलब्धियाँ :

परियोजना के तहत जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु किये जाने वाले कार्यों की कुल लागत धनराशि को तीन भागों 50:30:20 (50% धनराशि अनुदानदाता संस्था, 30% धनराशि अभिसरण एवं 20% धनराशि सामुदायिक योगदान) में विभाजित किया गया है, जिसके तहत अभिसरण (Convergence) के माध्यम से किये जाने वाले कार्यों को महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत (MGNREGA) के तहत किये जाने हेतु जिला प्रशासन बागेश्वर द्वारा माह जून 2025 में स्वीकृति प्रदान की गई। इस प्रकार कार्ययोजना एवं वित्तीय स्वीकृति के आधार पर वर्ष 2025–26 हेतु निहित कार्यों को अभिसरण एवं सामुदायिक योगदान के आधार पर पूर्ण किया गया। क्रियान्वित कार्यों में रू0 650137/- अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, रू0 297630/- जिला प्रशासन बागेश्वर (MGNREGA) एवं रू0 214459/- सामुदायिक योगदान के माध्यम से व्यय किया गया।

Details of Activities Undertaken under the Project During the Year : 2025-26

S.no	Name of Item/Activities (in all six villages)	Unit	Qty./Numbers (cumulative)
1	**Community Training Programme**	**No.**	**06**
2	**Staggered Contour Trenches**	**Mt.**	**228**
3	**Percolation & Deep Recharge Pit**	**No.**	**188 & 01**
4	**Plantation & Direct seed sowing**	**No.**	**4500 & 270**
5	**Roof Rainwater Recharge Pit**	**No.**	**05**
6	**Barbed Wire Fencing**	**Mt.**	**862**
7	**Check-dam (Loose Boulder & Subsurface)**	**Mt.**	**21.66**
8	**Gully Plug**	**Mt.**	**3.24**
9	**ANR Activity**	**Ha.**	**2**
10	**IEC Campagin**	**No.**	**06**

Community Sensitization Activities with the help of Environmental & Geologocal Experts

Awareness / IEC Campaign among Students under the Project

Layout of Water Conservation Zone Identified based oin Geo-Hydrology & AHP-RS-GIS Survey Techniceque

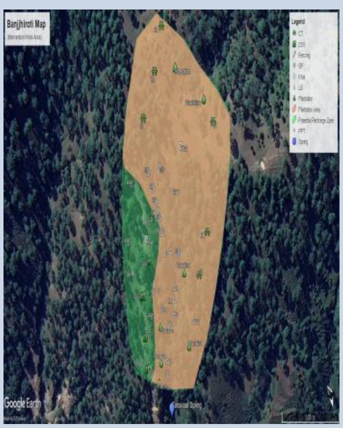

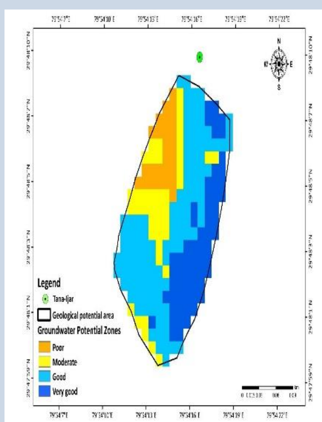

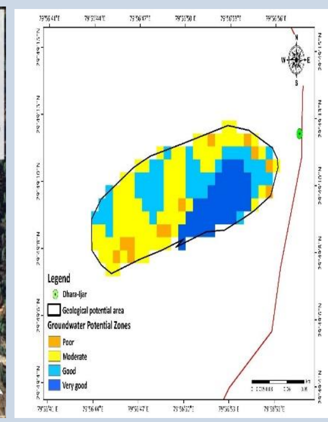

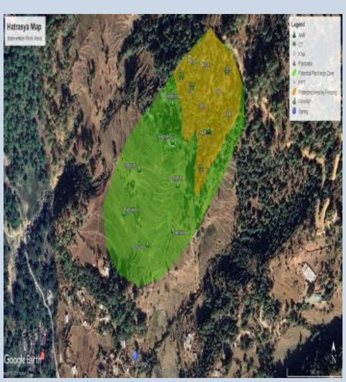

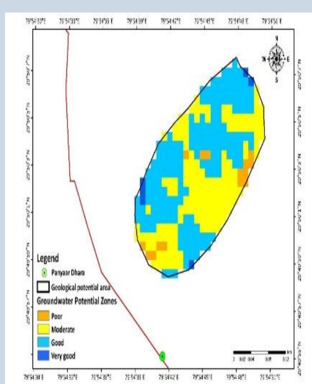

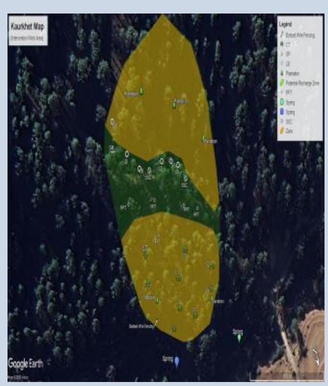

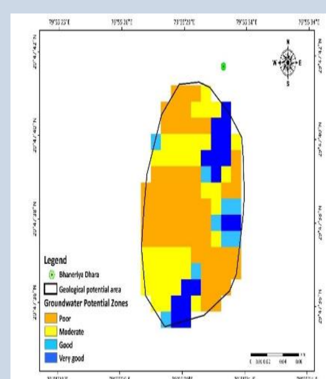

Plantation of Trees through Public Participation in the Identified Water Conservation Area

Implementation of Water Conservation & Enchancement Works in the Identified Springshed Areas through Geo-Hydrology & RS-GIS Techniques

Nari Shakti Vandan Programme

The Nari Shakti Vandan Programme was organized on 28 September 2025 at Pithoragarh District Headquarters with the support of the daily newspaper Amar Ujala. The primary objective of the programme was to recognize women and organizations working towards the empowerment of women by promoting awareness on issues such as health, education, and women's rights. On this occasion, our organization was honoured for its outstanding contribution to improving women's health and community awareness. Ms. Laxmi Joshi, a woman member of the organization, was also recognized for her dedicated service and significant contribution in the field of women's health. The organization and its representative were jointly felicitated by the Mayor of Pithoragarh Municipal Corporation, the Superintendent of Police, Pithoragarh, and the Vice Chairperson of the District Panchayat, Pithoragarh in recognition of their exemplary efforts toward women's empowerment and health.

In addition to the above, the organisation was honored by the Bageshwar district administration on the occasion of Republic Day (26/01/2026) through the District Magitrate – in recognition of its outstanding work since 2004

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम, दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला के सहयोग से 28 सितम्बर 2025 को जनपद मुख्यालय पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं के उत्थान (स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकारों के प्रति जागरूता बड़ाना आदि) के लिए कार्य कर रही महिलाओं और संस्थाओं को सम्मानित करना था। इसी क्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य पर उत्कृष्ट कार्य किये जाने पर संस्था को एवं संस्था की महिला सदस्य श्रीमती लक्ष्मी जोशी को मेयर नगर निगम, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत उपाध्यक्षा पिथौरागढ़ के माध्यम से सम्मानित किया गया।

उक्त के अतिरिक्त जनपद बागेश्वर में वर्ष 2004 से उत्कृष्ट कार्य किये जाने पर जिला प्रशासन बागेश्वर द्वारा संस्था को गणतंत्र दिवश 26 जनवरी 2026 के अवसर पर जिलाधिकारी महोदया के माध्यम से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

****